"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव

तृतीयवर्ष कला हिन्दी सुधारित अभ्यासक्रम

सामान्य पेपर-3 (G-3)

(With Effect From July, 1999)

<u>पाठ्यक्रम</u> :-

<u>पाठ्यपुस्तकें</u> :-

1) एकांकी विधा - पाठ्यपुस्तक - "नये रंग एकांकी", संपादक - उपेन्द्रनाथ अश्क, नीलाभ प्रकाशन, 5 खुसरो बाग रोड, इलाहाबाद, (संस्करण - 1994).

2) निबंध विधा - पाठ्यपुस्तक - निबंधायन - संपादक - डॉ. केशवदत्त रुवाली, विनोद पुस्तक मन्दीर, हॉस्पीटल रोड, आगरा-3, (संशोधित संस्करण, 1983).

<u>केवल निम्नलिखित ग्यारह निबंध पाठ्यक्रम में निर्धारित है</u> -

(1) आत्म-गौरव,
(2) हिन्दी भाषा की भूमिका,
(3) कवि और कविता,
(4) जीवन में साहित्य का स्थान,
(5) मजदूरी और प्रेम,
(6) लज्जा और ग्लानि,
(7) राष्ट्रोन्नति में जातीय गर्व की महत्ता,
(8) साहित्य में अश्लीलता,
(9) आपने मेरी रचना पढी ?,
(10) नीलकण्ठ,
(11) अपनी ही मौत पर.

3) <u>लेखन</u> :-

(अ) पारिभाषिक शब्दावली - (सूची संलग्न है).

(आ) सरकारी कार्यालय में प्रयुक्त पत्राचार के विविध रूप - ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, स्मरणपत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, अधिसूचना, सरकारी पत्र.

<u>(उपर्युक्त पत्रों के उपभेद अपेक्षित नहीं है)</u>

4 व्याकरण :-

हिन्दी के प्रयोग में पायी जानेवाली सामान्य अशुद्धियाँ और उन्हें दूर करने के नियमों की जानकारी.

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के वर्तनी के सम्बन्ध में प्रकाशित पुस्तीका के आधार पर)

5 अनुवाद -

अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिन्दी में अनुवाद.
(गद्यखंड लगभग 100 शब्दों का होगा).

संदर्भग्रंथ :-

1) आधुनिक हिन्दी व्याकर और रचना - वासुदेवनंदन प्रसाद,
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद-1.

2) हिन्दी निबंध और रचना - रामसकल शर्मा,
प्रकाशक - एस.चांद एण्ड कंपनी लि. नई दिल्ली.

3) आवेदन पत्र - डॉ. शिवनारायण चतुर्वेदी,
प्रकाशक - अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली.

4) प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण - प्रा. विराज,
प्रकाशक - राजपाल एंण्ड सन्स, दिल्ली.

पेज न. 3

तृतीयवर्ष कला सामान्य हिन्दी (C-3)

पारिभाषिक शब्दावली

पदनाम (Designations)

Adviser	–	सलाहकार
Advocate	–	अधिवक्ता
Chief Minister	–	मुख्यमंत्री
Clerk	–	लिपिक
Commissioner	–	आयुक्त
Calculator	–	गणक
Computer	–	संगणक
Custodian	–	अभिरक्षक
Controller	–	नियंत्रक
Director	–	निदेशक, संचालक
Inspector	–	निरीक्षक
Judge	–	न्यायाधीश
Justice	–	न्यायमूर्ती
Legal Adviser	–	विधि सलाहकार
Nurse	–	परिचारिका
Operator	–	प्रचालक
Prime Minister	–	प्रधान मंत्री
Secretary	–	सचिव
Record Keeper	–	अभिलेखपाल
Steno Typist	–	आशुटंकक, लघुटंकलेखक
Store Keeper	–	भंडारी
Superintendent	–	अधीक्षक
Supervisor	–	पर्यवेक्षक
Surveyor	–	सर्वेक्षक
Ambassador	–	राजदूत
Body Guard	–	अंगरक्षक
Engineer	–	अभियंता
Demonstrator	–	निदर्शक
Executive Engineer	–	कार्यकारी अभियंता
Gazetted Officer	–	राजपत्रित अधिकारी
General Manager	–	महाप्रबंधक

Labour Officer	–	श्रमअधिकारी
Personal Assistant	–	निजीसहायक, स्वीय सहायक
Planning Officer	–	योजना अधिकारी
Traffic Manager	–	यातायात प्रबंधक
Treasurer	–	कोषाध्यक्ष

प्रशासनिक शब्दावली

Approval	–	अनुमोदन
Appendi	–	परिशिष्ट
Appointment	–	नियुक्ती
Agreement	–	करार, अनुबंध
Admissible	–	ग्राह्य, स्वीकार्य
Countersigned	–	प्रतिहस्ताक्षरित
Document	–	प्रलेख, दस्तावेज
Drafting	–	आलेखन
Classification	–	वर्गीकरण
Column	–	स्तंभ
Contingencies	–	आकस्मीक व्यय, पुरकर व्यय
Counterfoil	–	प्रतिपूर्ण, मुसव्वा
Declaration	–	घोषणा
Draft	–	प्रारूप, मसौदा
Employee	–	कर्मचारी, सेवक
Consigner	–	प्रेषक, माल भेजनेवाला
Divisional Superintendent	–	मंडल अधिक्षक
Loading	–	लदान
Lost Property Office	–	खोया सामान कार्यालय
Chief Commercial Superintendent	–	मुख्य वाणिज्य अधिक्षक
Employment	–	रोजगार, सेवा योजना
Foot Note	–	तलटीप
Jurisdiction	–	क्षेत्राधिकार
Increment	–	वेतनवृध्दी
Monopoly	–	एकाधिकार
Promotion	–	पदोन्नति, तरक्की

Resignation	–	त्यागपत्र
Sanction	–	संस्वीकृति, मंज़ूरी
Statement	–	बयान, वितरण
Regional/Zonal	–	क्षेत्रीय
Regular	–	नियमित
Retirement	–	निवृत्ती
Correspondence	–	पत्राचार, पत्रव्यवहार
Grade	–	पदक्रम
Demotion	–	पदावनति
Eligible	–	पात्र
Revised	–	पुनरीक्षित
Miscellaneous	–	प्रकीर्ण
Transcription	–	प्रतिलेखन
Management	–	प्रबंध
Juniority	–	कनिष्टता
Proposal	–	प्रस्ताव
Authorised	–	प्राधिकृत
Submission	–	प्रस्तुतीकरण, निवेदन
Minutes (of a Meeting)	–	कार्यवृत्त
Surcharge	–	अधिभार
Figures	–	आकडे
Order	–	आदेश
Objection	–	आपत्ति
Action	–	कारवाई
Capacity	–	क्षमता
Compensation	–	क्षतिपूर्ति, मुआवजा
Current	–	चालू
Surety	–	जामिन
Breakage/Wear & Tear	–	टूटफूट
Rate	–	दर
Claimant	–	दावेदार
Specified	–	निर्दिष्ट
Tourism	–	पर्यटन
Receipt	–	पावती, रसीद
Stamped	–	मुद्रांकित

पेज नं. 6

Account	–	लेखा
Disbursement	–	वितरण
Demurrage	–	विलंबशुल्क
Duty	–	शुल्क
Damages	–	हर्जाना
Estimate	–	अनुमान
Grant	–	अनुदान
Implementation	–	कार्यान्वयन
Initials	–	आद्याक्षर, प्राक्षर
Note	–	टिप्पणी
Report	–	प्रतिवेदन
Responsibility	–	उत्तरदायित्व
Scheme	–	योजना
Activity	–	क्रियाशीलता
Nominal	–	नाममात्र
Cancellation	–	निरसन
Conclusion	–	निष्कर्ष
Post	–	पद
Dismissal	–	पदच्युति
Advice	–	परामर्श
Eligibility	–	पात्रता
Enquiry	–	पूछताछ
Representation	–	प्रतिनिधित्व, प्रतिनिधान
Certified	–	प्रमाणित
Seniority	–	वरिष्ठता
Priority	–	प्राथमिकता
Authentic	–	प्रामाणिक
Suspension	–	निलंबन
Procedure	–	क्रियाविधी
Temporary	–	अस्थायी
Partial	–	आंशिक
Basis/Ground	–	आधार
Average	–	औसत
Fare	–	किराया
Damage	–	क्षति

Mortagage	–	गिरवी, बंधक
Security Bond	–	जमानतनामा
Total	–	जोड़, योग
Cartage	–	ढुलाई
(To) Register	–	दर्ज करना
Renewal	–	नवीकरण
Registered	–	पंजीकृत
Fortnightly	–	पाक्षिक
Demand	–	माग
Cash	–	रोकड़
Recovery	–	वसूली
Delay	–	विलंब
Complaint	–	शिकायत
Fair Copy	–	स्वच्छ प्रति, साफ प्रति
Consignee	–	प्रेषिती, माल पानेवाला

तृतीयवर्ष कला सामान्य हिन्दी-3 (G-3)
प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

समय :- 3 घंटे | पूर्णांक :- 100

प्रश्न क्र. 1 - पठित एकांकियों में से किसी एक एकांकी पर दीर्घोत्तरी प्रश्न — 20

अथवा

पठित एकांकियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न
(6 में से 4)

प्रश्न क्र.2 - पठित निबन्धों में से किसी एक निबंध पर दीर्घोत्तरी प्रश्न — 20

अथवा

पठित निबन्धों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न
(6 में से 4)

प्रश्न क्र.3 - अवतरणों की ससदर्भ व्याख्या
(अ) एकांकियों पर आधारित संदर्भ (दो में से एक) — 10
(आ) निबन्धों पर आधारित संदर्भ (दो में से एक) — 10

प्रश्न क्र.4 -(अ) वाक्य शुद्धिकरण (दस में से दस) — 10
(सकारण वाक्य शुद्धिकरण अपेक्षित नहीं है)
(आ) अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों के हिन्दी पर्यायवाची शब्द — 10
(दस में से दस)

प्रश्न क्र.5 -(अ) पाठ्यक्रम में निर्धारित पत्र (दो में से एक) — 10
(आ) मराठी अथवा अंग्रेजी परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद — 10

तृतीय वर्ष कला
- प्रयोजनमूलक हिन्दी -
जुलै, 1999 से प्रारम्भ

पाठ्यक्रम :-

1. व्याकरण - (अ) लिंग, वचन, विशेषण - मराठी भाषा के प्रभाव से होनेवाली गलतियों का सकारण वाक्य शुद्ध करना
(आ) निर्दिष्ट मुहावरों एवं कहावतों का केवल वाक्य में प्रयोग (सूची संलग्न है)

2. कार्यालयीन कार्य व्यवहार - (पत्र प्राप्ती एवं वितरण)

प्रविष्टि, अनुभाग डायरी, मोहर, वितरण, प्राप्ति लिपिक, आवती रजिस्टर, टिप्पण आदि की जानकारी

3. कर प्रणाली - प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर, करों के भेद-आयकर, व्यवसायकर, सीमाशुल्क, उत्पादन शुल्क, परिवहन (सडक) कर, झुगी तथा नगर पालिका के विभिन्न करों की जानकारी. कर-प्रपत्र भरने की प्रविधि.

4. पत्रकारिता और प्रेस - उद्देश्य तथा दायित्व.

आदर्श पत्रकारिता और पत्रकार के कार्य, समाचार संकलन, समाचार एजन्सीज, संपादन, शीर्षक, संपादकीय आदि की जानकारी - हिन्दी में प्रकाशित प्रमुख पत्र पत्रिकाओं की जानकारी. मुद्रित शोधन (प्रूफ रीडिंग) प्रूफ पाठक का दायित्व, कार्य, मुद्रित शोधन के विभिन्न चिह्नों का परिचय.
प्रेस - प्रेस के प्रकार, हैण्ड-प्रेस, प्रिंटिंग प्रेस, ऑफसेट, स्क्रीन टाईप के प्रमुख प्रकार.

5. विज्ञापन - (अ) विज्ञापन का महत्व
(आ) विज्ञापन तैयार करना (घोषवाक्य और पोस्टर)
दैनंदिन व्यवहार की वस्तुएँ, सरकारी कल्याणकारी योजनाएँ.

6. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति – संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक का सामान्य ज्ञान

7. सृजनात्मक लेखन – निर्दिष्ट विषयों पर (दृश्य के आधार पर) लेखन. कहानी, रेडियो वार्ता, आँखो देखा वर्णन, साक्षात्कार, समाचार–लेखन

8. रसास्वादन – अपठित पद्यांशों का रसास्वादन

9. अनुवाद – मराठी अथवा अंग्रेजी के अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद

संदर्भ ग्रंथ

1. शुद्ध हिन्दी – डॉ.हरदेव बाहरी
2. अच्छी हिन्दी – डॉ.रामचन्द्र वर्मा
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ.विनोद गोदरे
4. प्रूफ पठन और प्रारूपण – डॉ.भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी पत्रकारिता कोश
6. प्रयोजन मूलक हिन्दी भाग-3 – डॉ.उर्मिला पाटील
7. हिन्दी : राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर – डॉ.सुरेश माहेश्वरी

"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

तृतीय वर्ष कला हिन्दी
अभ्यासक्रम जून, 1999 पासून
प्रयोजनमूलक हिंदी पाठ्यक्रम

01. अंगूठा दिखाना ।
02. अंगूर खट्टे होना ।
03. अंधे के हाथ बटेर लगना ।
04. अकाल पर पत्थर पडना ।
05. अपना उल्लू सीधा करना ।
06. अपने मुह मियाँ मिठ्ठू बनना ।
07. आपे से बहार होना ।
08. आँख का तारा होना ।
09. ईंट का जबाब पत्थर से देना ।
10. आस्तीन का साँप होना ।
11. आपे से बाहर होना ।
12. ईद का चाँद होना ।
13. उल्टी गंगा बहाना ।
14. कलेजा ठंडा होना ।
15. कब्र में पाँव लटकाना ।
16. कौंटो में घसीटना ।
17. कानून बघारना ।
18. कान खडे होना ।
19. खाक छानना ।
20. खून पसीना एक करना ।
21. गडे मुर्दे उखाडना ।
22. गागर में सागर भरना ।
23. गुड गोबर होना ।
24. घाट-घाट का पानी पीना ।
25. घी के दिए जलाना ।
26. घोडे बेचकर सोना ।
27. चार चाँद लगाना ।
28. चिराग तले अँधेरा होना ।
29. छठी का दूध याद आना ।
30. जले पर नमक छिडकना ।
31. न्योछावर करना ।
32. टालमटोल करना ।
33. तलवार की धार पर चलना ।
34. तिल का ताड बनाना ।
35. तूती बोलना ।
36. दाँतो तले उँगली दबाना ।
37. दिल की कली खिलना ।
38. नमक मिर्च लगाना ।
39. नाक के बल गिरना ।
40. नाक का बाल होना ।
41. नाक में दम करना ।
42. निन्यानवेके फेर में पडना ।
43. पापड बेलना ।
44. बहती गंगा में हाथ धोना ।
45. बाल की खाल निकालना ।
46. रफू चक्कर होना ।
47. रंग जमाना ।
48. लकीर का फकीर होना ।
49. सिक्का जमाना ।
50. हाथ मलते रह जाना ।

"अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत"
उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव.
तृतीय वर्ष कला हिन्दी
(अभ्यासक्रम जून,1999 पासून)

– कहावतें –

01) अंधों में काना राजा ।
02) आँख के अंधे नाम नयनसुख ।
03) अकेला चना क्या भाड़ फोड़ेगा ।
04) अध जल गगरी छलकत जाय ।
05) आम के आम गुठलियों के दाम ।
06) आसमान से गिरा और खजूर में अटका ।
07) उलटा चोर कोतवाल को डाटे ।
08) ऊंची दुकान फीके पकवान ।
09) ऊंट के मुह में जीरा ।
09) ओस चाटे प्यास नही बुझे ।
10) कहां राजा भोज कहाँ गंगू तेली ।
11) नंगों के देश में धोबी क्या करेगा ।
12) का वर्षा जब कृषि सुखाने ।
13) कौवे की चोंच में अंगूर ।
14) खग जाने खग ही की भाषा ।
15) खिसीयानी बिल्ली खम्भा नोंचे ।
16) खोदा पहाड निकली चुहिया ।
17) घर का जोगी जोगडा, आन गाव का सिद्ध ।
18) घर का भेदी लंका ढाए ।
19) घर की मुर्गी दाल बराबर ।
20) चमडी जाए पर दमडी न जाए ।
21 चार दिनकी चादणी फिर अंधेरी रात ।
22) छाज बोले तो बोले छलनी भी बोले जिसमें बहत्तर छेद ।
23) जंगल में मोर नाचा किसने देखा ।
24) जंगल में रहकर मगर मच्छ से बैर ।
25) जहां न पहुँचे रवि वहा पहुँचे कवि ।
26) जहां जाये भूखा वहां पडे सूखा ।
27) जाके पैर न फटी बिवाई सो क्या जाने पीर पराई ।

28) जाको राखे साइयाँ, मार सके न कोय ।
29) जिन ढूंढा तिन पाइयाँ, गहरे पानी पैठ ।
30) जिसकी लाठी उसकी भैंस ।
31) दूधका जला छाछभी फूँककर पीता है ।
32) धोबी का कुत्ता घरका न घाटका ।
33) न नौमन तेल रहेगा न राधा नाचेगी ।
34) नरहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी ।
35) नाच न जाने आँग ऐंढा ।
36) नौसौ चूहे खाकर बिल्ली हजको चली ।
37) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।
38) बकरे की माँ कब तक खैर मनाएगी ।
39) बडे मियाँ तो बडे मियाँ छोटे मियाँ सुभान अल्लाह ।
40) भैंसके आगे बीन बजाई भैंस बैठी पगुराय ।
41) मन चंगा तो कठौतीमें गंगा ।
42) मनके हारे हार है मनके जीते जीत ।
43) रस्सी जल गई पर बल नहीं गया ।
44) लातोंके भूत बातोंसे नहीं मानते ।
45) समरथ को नहीं दोष गोसाईं ।
46) सौ सुनार की एक लुहार की ।
47) हाथ कंगन को आरसी क्या ?
48) हाथी भरा भी तो सवा लाखका ।
49) हाथी चला बजार तो कुत्ते भौंके हजार ।
50) हारे को हरिनाम ।

तृतीय वर्ष कला
प्रयोजनमूलक हिन्दी
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय 3 घण्टे — पूर्णांक – 100

प्रश्न क्र. 1	(अ) अकारण वाक्य शुद्धिकरण (पाँच में से पाँच)	10
	(आ) मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग (पाँच में से पाँच)	05
	(इ) कहावतों का वाक्यों में प्रयोग पाँच में से पाँच	05
प्रश्न क्र. 2	(अ) कार्यालयीन कार्य व्यवहार पर प्रश्न	10
	अथवा	
	(अ) कार्यालयीन कार्य व्यवहार पर दो टिप्पणियाँ	
	(आ) कार प्रणाली पर सात प्रश्न दिए जायेंगे जिनमें से पाँच के उत्तर लिखना है.	10
प्रश्न क्र.3	(अ) पत्रकारिता पर दीर्घोत्तरी प्रश्न.	10
	अथवा	
	(अ) मुद्रित शोधन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न.	
	(आ) टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो)	10
प्रश्न क्र. 4	(अ) विज्ञापन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न.	10
	अथवा	
	(अ) सात में से पाँच पर घोष वाक्य तैयार करना.	
	(इसमें दो विषय पोस्टर से संबंधित होंगे)	
	(आ) हिन्दी की संवैधानिक स्थिति	05
	(किन्हीं दो अनुच्छेदों में से एक पर लिखना)	
प्रश्न क्र. 5	(अ) सृजनात्मक लेखन	15
	अथवा	
	रसास्वादन	
	(आ) अनुवाद – मराठी या अंग्रेजी परिच्छेद.	10

तृतीयवर्ष कला हिन्दी
हिन्दी विशेष पेपर-3 (S-3) : हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम :-

1) हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन तथा नामकरण.

2) आदिकाल-

(क) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक.
(ख) प्रमुख प्रवृत्तीयाँ - विषयगत तथा शैलीगत.
(ग) रासो साहित्य का संक्षिप्त परिचय.

3) भक्तीकाल :-

(घ) पृष्ठभूमि - राजनितिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यीक.
(छ) भक्तीकाव्य की निम्नलिखित प्रमुख काव्यधाराओं तथा उनसे सम्बन्धीत प्रमुख कवियों का परिचय.
(अ) ज्ञानाश्रयी शाखा - कबीर.
(आ) प्रेमाश्रयी शाखा - जायसी.
(इ) रामभक्तीशाखा - तुलसीदास.
(ई) कृष्णभक्तीशाखा - सूरदास.

4) रीतिकाल :-

(ट) पृष्ठभूमि - राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक तथा साहित्यिक.
(ठ) रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिसिध्द, रीतिबध्द और रीतिमुक्त.
(ड) कवि परिचय - केशवदास, बिहारी, घनानन्द तथा भूषण का संक्षिप्त परिचय.

5) आधुनिक काला - (इस पाठ्यक्रम में निर्धारित कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबन्ध इ. विधाओं के अध्ययन का कालखंड सन 1975 तक रहेगा).

(क) काव्य - 1) भारतेन्दु के काव्य का परिचय.
2) निम्नलिखित साहित्यीक वादों का परिचय - छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता.

(ख) गद्य – 1) भारतेन्दुपूर्व खडी बोली गद्य का सामान्य परिचय.
2) निम्नलिखित साहित्यकारों का साहित्यीक परिचय – भारतेन्दु, प्रेमचन्द, यशपाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामकुमार वर्मा तथा जैनेन्द्रकुमार.
3) निम्नलिखित साहित्यिक विधाओं का विकासात्मक अध्ययन – उपन्यास, कहानी, नाटक एकांकी तथा निबन्ध.

(ग) टिप्पणि के लिए कुछ विषय :–

कामायनी, साकेत, प्रियप्रवास, महावीरप्रसाद द्विवेदी, आधुनिक काव्य की राष्ट्रीय धारा, रेखाचित्र का विकास.

<u>संदर्भग्रंथ</u> :–

1 हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय,
प्रका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. देवीशरण रस्तोगी,
राजहंस प्रका. मेरठ.
3) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ती त्रिपाठी,
प्रका. माणकचन्द बुक डेपो, इंन्दौर.
4) हिन्दी साहित्य और उसकी प्रमुख प्रवृत्तीयाँ – डॉ. गोविन्द राम शर्मा,
प्रका.हिन्दी साहित्य संसार, पटना.
5) हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. रामरतन भटनागर,
प्रका. साधी प्रकाशन, आगरा.
6) हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. सज्जन राम कोणी,
निराली प्रकाशन, पुणे.

तृतीयवर्ष कला हिन्दी
विशेष पेपर-3 (3-3) हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय :- 3 घंटे पूर्णांक :- 100

प्रश्न क्र.1	आदिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा आदिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	20
प्रश्न क्र.2	भक्तीकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भक्तीकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	20
प्रश्न क्र.3	रीतिकाल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा रीतिकाल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	20
प्रश्न क्र.4	आधुनिक काल पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा आधुनिक काल पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (तीन में से दो)	20
प्रश्न क्र.5	आधुनिक काल पर आधारित टिप्पणियाँ (तीन में से दो)	20

विशेष सूचना :-

1) प्रश्न क्रमांक 4 में यदि दीर्घोत्तरी प्रश्न गद्य पर आधारित हो तो "अथवा" में लघुत्तरी प्रश्न पद्य पर पूछे जायें और यदि दीर्घोत्तरी प्रश्न पद्य पर आधारित हो तो "अथवा" में लघुत्तरी प्रश्न गद्य पर आधारित हो.

2) प्रश्न क्रमांक 5 में पूछे जानेवाली टिप्पणियों के विषय आधुनिक काल के गद्य और पद्य पर आधारित हो.

तृतीयवर्ष कला हिन्दी
विशेष पेपर-4 (S-4)

भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबन्ध

(क) भाषा विज्ञान :-

1) भाषा की परिभाषा तथा भाषा की विशेषताएँ.

2) भाषा - (अ) विविध रूप - बोली, परिनिष्ठीत भाषा, प्रादेशिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा.
(आ) बोली और परिनिष्ठीत भाषा तथा राजभाषा और राष्ट्रभाषा का पारस्परिक अंतर एवं संबंध.

3) हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय -
बोलियाँ - ब्रज, अवधी , खडी बोली, भोजपूरी, दाक्खिनी मारवाडी, मैथिली (इनके संबंध में भौगोलिक क्षेत्र, साहित्यिक संपदा, (लिखित तथा मौखिक) उपबोलियाँ, प्रत्येक बोली की अपनी खास विशेषताएँ आदि बातों की जानकारी अपेक्षित).

4) भाषा की व्युत्पत्ती विषयक सिध्दांत -
1) दिव्योत्पति सिध्दांत.
2) धातु सिध्दांत.
3) अनुकरण सिध्दांत.
4) श्रम परिहार सिध्दांत, (श्रम ध्वनि सिध्दांत).
5) मनोभावाभिव्यक्ती सिध्दांत.
6) समन्वय सिध्दांत.

5) हिन्दी का शब्दसमूह - उद्गम के आधार पर वर्गीकरण, तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी शब्दों का सोदाहरण परिचय.

6) भाषा विज्ञान की परिभाषा, भाषा विज्ञान के अंग तथा भाषा विज्ञान की व्याकरणसे तुलना.

7) ध्वनी (स्वन) विज्ञान - ध्वनिविज्ञान की व्याख्या, भाषा ध्वनि की परिभाषा, ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणाली, (उच्चारण प्रक्रिया), ध्वनि वर्गीकरण के आधार - (स्थान और प्रयत्न), स्वरों और व्यंजनों का वर्गीकरण, ध्वनिगुण.

8) पद (रूप) विज्ञान - शब्द, पद, संबंधतत्व और अर्थतत्व, संबंधतत्व के प्रकार.

9) वाक्यविज्ञान - वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य में पदक्रम, वाक्य विभाजन.

वाक्य विभाजन के आधार - (अ) अन्वय-परक,
(आ) उद्देश्य - विधेय,
(इ) उपवाक्यीय.

10) अर्थविज्ञान - शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन का स्वरूप, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण -

1) बल का अपसरण.
2) पीढ़ी परिवर्तन.
3) अन्यभाषाओं का प्रभाव लेना.
4) वातावरण में परिवर्तन.
5) नम्रता - प्रदर्शन.
6) अशोभन के लिए शोभन का प्रयोग.
7) अधिक शब्दों के स्थान पर एक शब्दों का प्रयोग.
8) एक शब्द के दो रूपों का प्रचलन.
9) व्यंग्य.
10) आलंकारिक प्रयोग.
11) नवीन वस्तुओंका निर्माण.
12) अज्ञान और असावधानी.

(ख) <u>राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास</u> :-

(1) स्वातंत्र्य पूर्वकालीन राष्ट्रभाषा हिन्दी के इतिहास में केवल निम्नलिखित विषयोंका अध्ययन.

निम्नलिखित संस्थाओंका योगदान

(अ) ईसाई मिशनरी, ब्रह्मसमाज, आर्यसमाज, थिओसाफिकल सोसायटी.
(आ) साहित्यिक संस्थाएँ - नागरी प्रचारीनी सभा, काशी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, राष्ट्रभाषा प्रचार समिती, वर्धा, राष्ट्रभाषा प्रचार, सभा पुणे, दक्षिणभारत प्रचार सभा, मद्रास
(इ) व्यक्तीयोंका योगदान - महात्मा गांधी, लो. टिळक, पुरुषोत्तमदास टण्डन, मदनमोहन मालवीय, सेठ गोविंद दास

(ii) स्वातंत्र्योत्तर काल में हिन्दी का संविधानिक स्वरूप -
(अ) संविधान के अनुछेद क्रमांक 343 ते 351 तक का ज्ञान
(आ) राजभाषा अधिनियम, 1976 का ज्ञान

ग निबन्ध :-

निबन्ध साहित्यिक तथा विचारात्मक पूछे जायें

संदर्भग्रंथ :-

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी.
2. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना.
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रका., दिल्ली.
4. राष्ट्रभाषा आंदोलन - श्री. गो.प. नेने, प्रका. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे.
5. राष्ट्रभाषा प्रचार का इतिहास - संपादक श्री. गंगाशरण सिंह, गो.प. नेने, प्रका. अखिल भारतीय हिन्दी संस्था संघ, नई दिल्ली.
6. सरल भाषा विज्ञान - डॉ. पीताम्बर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील, (साहित्य निलय, 46, बौद्धनगर, नौबस्ता, कानपुर-21).
7. हिन्दी राष्ट्रभाषा से विश्वभाषा की ओर - संपादक डॉ. सुरेश माहेश्वरी. विकास प्रका., कानपुर.

तृतीयवर्ष कला हिन्दी
विशेष पेपर–4 (S–4)

भाषा विज्ञान, राष्ट्रभाषा आंदोलन का इतिहास तथा निबन्ध
प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

समय :– 3 घण्टे पूर्णांक :– 80

प्रश्न क्र.1	भाषाविज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषाविज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो)	16
प्रश्न क्र.2	भाषाविज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषाविज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो)	16
प्रश्न क्र.3 (अ)	राष्ट्रभाषा आंदोलन पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	12
(आ)	भाषाविज्ञान पर आधारित एक वाक्यीय उत्तरवाले प्रश्न (चार में से चार)	04
प्रश्न क्र.4	भाषाविज्ञान पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा भाषाविज्ञान पर आधारित टिप्पणियाँ (चार में से दो)	16
प्रश्न क्र.5	निबंध लेखन पाँच विषयों में से किसी एक पर	16